

## Day-3

Q.

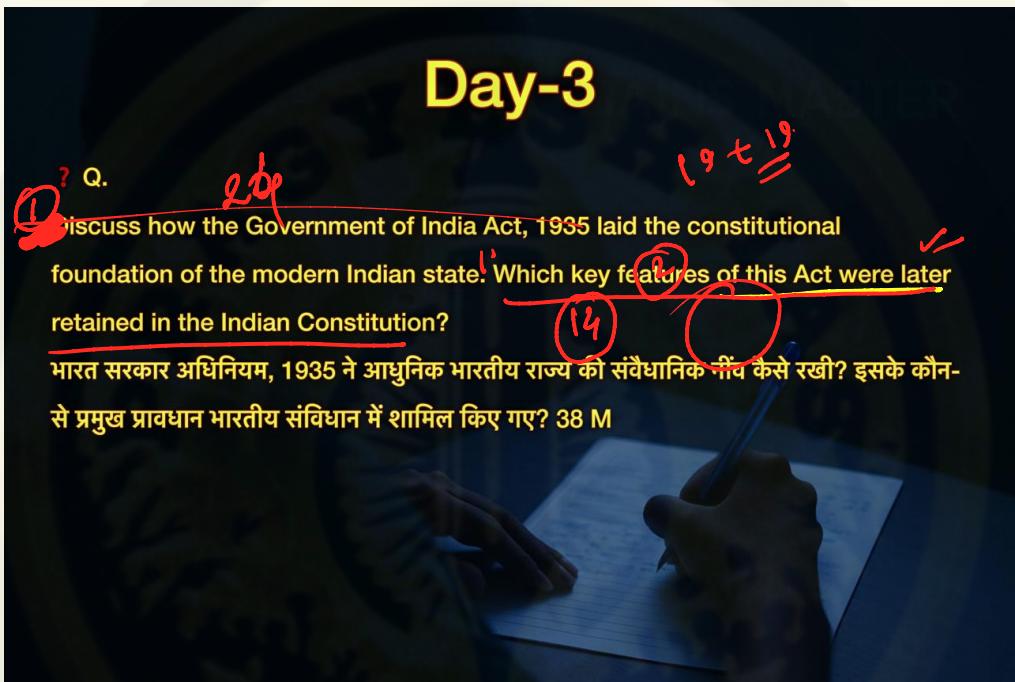
20

1979

Discuss how the Government of India Act, 1935 laid the constitutional foundation of the modern Indian state. Which key features of this Act were later retained in the Indian Constitution?

14

भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने आधुनिक भारतीय राज्य को संवैधानिक नींव कैसे रखी? इसके कौन-से प्रमुख प्रावधान भारतीय संविधान में शामिल किए गए? 38 M



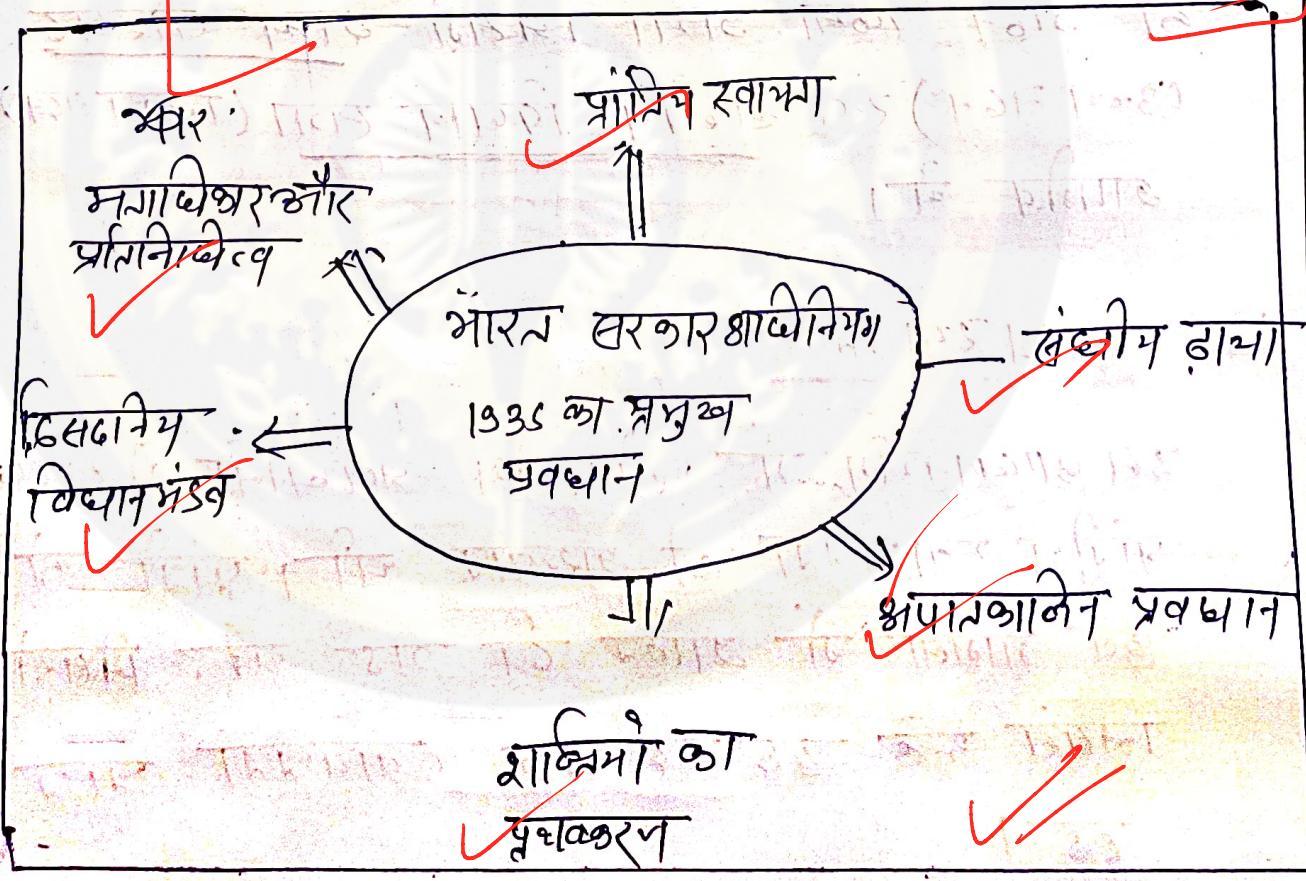
**Sandeep Kumar Giri**

**1:01:13 PM**

Q भारत सरकार आधिनियम, 1935 ने शास्त्रिक भारतीय राज्य की संवैधानिक जीवं छोरों रणी? इसके छोन कोन से प्रमुख लावधान भारतीय संविधान में शामिल किये गए?

उत्तर - भारत सरकार आधिनियम, 1935 के द्वारा महत्वपूर्ण

कानून वा, जिसने आधिनियमिक भाव के द्वारा गणराज्य के संवैधानिक विकास प्रमुख रूप से प्रभावित किया है इसका इसका उत्तराधिकार के द्वारा नियंत्रण गठन के अधिनियम का उद्देश्य महत्वपूर्ण बुधार जाना चाहा जिति भारत में आधिक प्रतिनिधित्व शाखा प्रणाली का मार्ग प्रशंसन करता।



:- संघीय दाया

इस भाषिनेम से भारत के लिए संघीय दाये का प्रस्ताव रखा गया था, जिसके केंद्र सरकार ने प्रांतों के बीच शान्ति को विभाजित किया गया था। इस भाषा मजबूत केंद्र सरकार के साथ संघीय दाये का प्रवधान किया गया था, जिसके द्वितीय संघीय विधायिका का नियमित हुआ था।

:- द्वितीय विधानसभा → At Province

इस भाषिनेम द्वारा द्वितीय संघीय विधायिका का गठन किया गया जिसमें राज्य परिषद् (उच्च सदन) रूप संघीय विधान सभा (नीम सदन) शामिल थी।

:- प्रांतीय द्वापर्यग

इस भाषिनेम में उल्लेखनीय चर्चाओं में से एक प्रांतीय द्वापर्यग की शुरूवात थी, प्रांतों के उल्लेखनीय मामलों में व्यापक दी गई थी, जिससे जिसके उल्लेखनीय द्वापर्यग प्राप्त हुए। अद्वृत

### संघीय दाचा

इस आधिकारिक में भारत के लिए संघीय दाचे का प्रबलाव रखा जाता था। जिससे केन्द्र सरकार ने प्रांतों के बीच शाक्ति को विभाजित किया गया था। इसे अजबूत केन्द्र सरकार के साथ संघीय दाचे का प्रबलाव किया गया था, जिससे द्विसदीय संघीय विधायिका का नियमित कुछ नहीं होता।

### द्विसदीय विधानमंडल

इस आधिकारिक द्वारा द्विसदीय संघीय विधायिका का गठन किया गया। जिसमें राज्य परिषद् (उच्च दण्ड) रूप संघीय विधान सभा (निम्न दण्ड) शामिल थी।

### प्रांतीय राज्यपत्रगा

इस आधिकारिक में उल्लेखनीय प्रवधानों में से एक प्रांतीय राज्यपत्रगा की शुरूवात थी, प्रांतों के कुल मामलों में शाक्ति दी गई थी। जिससे जिससे उन्हें छह हृष्ट राज्यपत्रगा प्राप्त किया।

:- शास्त्रियों का पूर्वकरण

इस आधिनियम द्वारा कार्यपालीका हवे विधायिका  
के बीच शास्त्रियों का पूर्वकरण करने का  
प्रयास किया गया

:- आपातकालीन प्रबंधान

इस आधिनियम द्वारा आपातकालीन प्रबंधानों की  
शामिल किया गया था। त्रिनियुक्त द्वारा मौलिक  
आधिकारों को अतिविरुद्ध करने के साथ-साथ  
आपातकाल के द्वारा वापसराय की व्यापक  
शास्त्रियों प्रबंध की गई।

:- मनाधिकार और प्राप्तिनिधित्व

इस आधिनियम द्वारा सीमित रूप से कमस्तु  
मनाधिकार की शुरूआत कर के मुनियाना सूची  
का विहार किया गया था। मैलसे  
आवादी के बड़े हिले को चुनावी

भाष्य प्रक्रिया में जाग लेते मुख्यमंत्री

मौजा मिला।

{ उपर्युक्त कानूनी भाष्य का उल्लेख  
नहीं किया गया। }

संविधानिक विभास में इस आवोत्तरण की जूमिया

1935 भारत सुधार नियमितीय द्वाविधान में शामिल  
किया गया।

(i) आपेपालक की संरचना

*Dominion*  
*Executive*  
*Crown*  
*Constitutional*

1935 में गवर्नर जनरल कायपालक प्रमुख के,  
संविधान में यही जूमिया राष्ट्रपति नियांत्रण

(ii)

संघीयता

1935 के आवोत्तरण में लंबोय चायालप की  
गई थी।  
संविधान में उच्चतम चायालप (Art 124) की  
स्थापना की गई।

(iii)

आचेल भारतीय संवाद

- भारतीय संविधान सोवा की संविधान थी;  
वर्षी भारतीय संविधान में IAS, IPS, IRS  
की संविधान Art 312 में दी गई

#### (iv) संविधान की कठोरता

- ✓ - ~~छंटे त्रिविधान किंतु लंगड़ हारा ही बदले जा सकते हैं।~~ →
- ~~भारतीय संविधान जी आंशिक रूप से कठोर हैं; संसोधन की प्रक्रिया (Art 368) विधीय है।~~ →

Candidate must not write on margin

#### (v) प्रांतों में हैथ शासन समाप्त अर उन्नरणीयी सरकार की जबल्दाही की गढ़ी।

- ~~भारतीय संविधान में मानवाधिष्ठ विधानमंडल के जरूर 342 की दोहरी है।~~

ट्रिपल्फ

*Good attempt*

18/36

• भारत सरकार आधीनियम, 1935 के बाद 25  
उपनिवेशी आधीनियम नहीं था, बल्कि इसने आधिकारिक भारतीय राज्य की प्रशासनिक  
प्राधिक छोर विधायी नीव रखी। संविधान में केवल 250 लों आधिकारिक अनुदेश का प्राप्त इस आधीनियम का था: भरा हुआ छह सूना है, इसके त्रावधानों और लिखानों ने दाखिला के बाद के संविधान निर्माण और न्यायिक किया था।

*improve*